लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 7.5.2020 पृष्ठ सं. 7 कॉलम 1-7

प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति ट्रेंड कर रहा एचएयू का पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म

150 एकड में बना है ऑर्गेनिक फार्म, किसानों को दी जाती है विशेष प्रकार की ट्रेनिंग

महबूब अली | हिसार

देश की एकमात्र हिसार स्थित एचएयू में स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जी को उगाने के प्रति ट्रेंड करने में अहम भूमिका निभा रहा है। अब तक यहां पर हजारों की संख्या में किसान ट्रेनिंग ले चुके हैं। स्थानीय के अलावा विदेशी साइंटिस्टों की देख-रेख में ऑर्गेनिक फार्म में किसानों को फल से लेकर सब्जियों को उगाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यहां पर प्रशिक्षण लेने के बाद किसान खुद का बिजनेस भी खड़ा कर रहे हैं। इसके अलावा समय समय पर किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जाता है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से एचएयू के कुलपति डॉ. केपी सिंह के प्रयास से एचएयू में पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। यहां 150 एकड़ में ऑर्गेनिक तरीके से फल और सब्जियों की खेती की जा रही है। वर्तमान में एचएयू में गेहूं, मक्का, कद्दू, घीया, त्योरी, तरबूज, करेला, खीरा, भिंडी, प्याज, लहसून और तीन तरह के अमरूद, चार प्रकार के आम, और तीन तरह के केले, आलू बुखारा, अनास पाती और अनार उगाए गए हैं। बिना रासायनिक पदार्थों का प्रयोग किए फल से लेकर सब्जियों की खेती की जा रही है।

ऑर्गेनिक खेती के फायदे

- ऑर्गेनिक कृषि उत्पादन में स्थिरता व किसान को अधिक मुनाफा होता है।
- मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टिसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल खड़ी कर सकता है।
- वातावरण को बचाना और हवा और पानी के प्रदुषण को कम करना।
- ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग से इंसान को कोई नुकसान नहीं होता और ये खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करते हैं, मिट्टी की संरचना और संरचना में सुधार करते हैं।

150 एकड़ में बनाया गया है फार्मः डॉ. केपी सिंह

हमारा मकसद प्रदेश के किसानों को आर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करना है। ऐसे में एचएयू ही देश की एकमात्र ऐसी यूनिवर्सिटी है, जिसमें ऑर्गेनिक खेती के प्रति किसानों को ट्रेंड किया जाता है। 150 एकड़ में फार्म बनाया गया है। जहां पर किसानों को व्यवहारिक तौर पर खेती का प्रशिक्षण दिया जाता है। फार्म से प्रदेश वासियों को फायदा होगा।

– **डॉ. केपी सिंह,** कुलपति, एचएयू

रजिस्ट्रेशन कराने के बाद कोई भी ले सकता है प्रशिक्षण

एचएचू के पदाधिकारियों के अनुसार किसान रजिस्ट्रेशन कराने के बाद यूनिवर्सिटी के फार्म में पहुंचकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है। समय समय पर विदेशों से भी प्रशिक्षण के लिए साइंटिस्टों को बुलाया जाता है। साइंटिस्ट डॉ. देविन्दर कुमार ने बताया पैदावार पारम्परिक खेती से जैविक खेती में कम होती है, मगर कमाई ज्यादा होती है क्योंकि पैदावार का दाम अधिक मिलता है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 7.5.2020 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 4-5

दो दिन परिवर्तनशील रहेगा मौसम, बारिश की संभावना

जागरण संवाददाता, हिसार : बारिश के बाद मौसम में भारी गिरावट दर्ज की जा रही थी। एक दिन पहले जहां दिन का तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम था तो बुधवार को बढ़कर सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम ही रह गया। बुधवार को दिन में आसमान साफ हुआ तो बादल साफ हुए मगर सायं तक बादल एक बार फिर छा गए।

मौसम के परिवर्तन के कारण हिसार में दिन का तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान भी समान्य तापमान से तीन डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ ने बताया कि राज्य में 7 मई तक मौसम परिवर्तनशील रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण 6 मई तक बीच-बीच में राज्य में बादलवाई व मध्यम से तेज गति से हवाएं चलने व गरज-चमक के साथ प्रदेश के अधिकांश हिस्से में हल्की व मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पाठकपक्ष........
दिनांक 6.5.2020 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 4-6

ऑनलाइन सांस्कृतिक, साहित्यिक व कलात्मक गतिविधियां छात्र जीवन निर्माण में मील का पत्थर: प्रो. के.पी. सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 6 मई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के योग्य मार्गदर्शन में कुछ ऑनलाइन सांस्कृतिक, साहित्यिक व कलात्मक गतिविधियो व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें संगीत, थिएटर, नृत्य, पोस्टर मेकिंग, कोलाज मेकिंग, पेंटिंग और साहित्यिक शामिल हैं। कुलपति महोदय ने बताया कि लॉकडाउन की इस बाधित परिस्थिति में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के आयोजनों व परियोजनों को लागू करना समय की बहुत बड़ी मांग है। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में से पारगंत होने के बाद विद्यार्थियों को अपने जीवन में नये-नये अनुभव प्राप्त होते है जो उनके छात्र जीवन निर्माण में मील का पत्थर साबित होते है। उपरोक्त प्रतियोगिताओं का आयोजन छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया के नेतृत्व में किया गया। इन आयोजनों में लगभग 150 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के परिणाम मई, 2020 के दूसरे सप्ताह में घोषित किए जाएंगे। संगीत, नृत्य और नाटक की ऑनलाइन प्रतियोगिताओं को डॉ. संध्या शर्मा द्वारा और साहित्यिक घटनाओं को डॉ. अपर्णा और डॉ. राजेश कथवाल द्वारा निष्पादित किया गया। डॉ. अरुण भाटिया ने ऑनलाइन फाइन आर्ट प्रतियोगिताओं की जिम्मेदारी ली। इन ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में पूरे भारत के समस्त क्षेत्रों से छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया और कोविड-19 के अन्तर्गत लॉकडाउन परिस्थितियों में ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करके अपनी-अपनी प्रतिभाओं की छटा बिखेरी।